सुविचार

अगर जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो मेहनत पर विश्वास करें किस्मत की आजमाईश तो जुए में होती है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-05 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 11 मार्च 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

पुलिस अधिकारी के क्या कर्तव्य है एवं कर्त्तव्य उपेक्षा पर क्या है दण्ड का प्रावधान जानिए/Police Act,1861....।

पुलिस बल स्थानीय सुरक्षा करती है एवं अपराध को रोकने के लिए कार्य करती रहती है। जब कोई गंभीर अपराध घटित हो जाता है तब पुलिस बल के अधिकारी सहित बल के सदस्य वहा उपस्थित हो जाते हैं एवं वहा पर पीड़ित व्यक्ति को सुरक्षा एवं सहायता प्रदान करते हैं यहाँ हम एक बात स्पष्ट कर दे की अधिनियम के अनुसार पुलिस अधिकारी से तात्पर्य- पुलिस दल के सभी कर्मचारियों से है चाहे वह किसी भी पद पर नियुक्त किए गए हो?ढ्रक्र1929 लाहौर 325?। इन पुलिस अधिकारी के क्या कर्तव्य है जानिए।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र नर्मदापुरम) 9827737665

पुलिस अधिनियम,1861 की धारा 23 की परिभाषा-?

प्रत्येक पुलिस अधिकारी का कर्त्तव्य हैं कि-

1. किसी सक्षम अधिकारियों द्वारा उसे विधिपूर्ण जारी किए गए सब आदेशो एवं वारण्ट का पालन या निष्पादन करे।
2. लोकशान्ति को प्रभावित करने वाली गुप्त बातों का संग्रहण एवं सूचना करे।
3. अपराधों और लोक न्याय के लिए जाने का निवारण करे, अपराधियो का पता लगाएं एवं उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें।
4. उन सभी आरोपियों या व्यक्तियों को गिरफ्तार करे जिन्हें पकड़ने के लिए वैध अधिकार प्राप्त है।
5. बिना वारण्ट के मदिरालय, जुआघर, भ्रष्ट या अश्लील कार्यक्रम वाले स्थान पर अवैध एवं गलत कार्यो को रोके।
6. किसी भी हस्तक्षेप प्रकरणों में अगर बंदी बनाए बिना अपराध नहीं रुक सके तब पुलिस अधिकारी आरोपी को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के अंतर्गत बंदी बना सकती है।

कर्तव्य उपेक्षा के लिए दण्ड का प्रावधान?

कोई भी पुलिस अधिकारी उपर्युक्त अधिनियम की धारा-23 एवं अपने कर्तव्य को जानबूझकर भंग करने के लिए छुट्टी ले लेता हैं जो बिना ठोस कोई कारण के या बिना अपने प्राधिकारी की आज्ञा के किसी भिन्न नियोजन में लग जाता है या कायरता के कारण अपने कर्तव्य से पीछे हट जाता है या पुलिस अभिरक्षा में आरोपी पर अवैध शारिरिक हिंसा करता है तब किसी भी मजिस्ट्रेट द्वारा(पुलिस सिपाही) एवं प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट द्वारा(सिपाही से ऊपर की पंक्ति के कोई भी अधिकारी) की सुनवाई की जाएगी। सजा- उपर्युक्त कर्तव्य उपेक्षा का दण्ड का प्रावधान पुलिस एक्ट,1861 की धारा 29 के अनुसार अपराधी पुलिस अधिकारी को अधिकतम तीन माह की कठोर कारावास या अधिकतम तीन माह के वेतन से वांछित किया जा सकता है या दोनो सजा से दण्डित किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण नोट- भ्रष्ट या कर्तव्य उपेक्षा के लिए लोकसेवक को अलग अलग विधि के अनुसार भी दण्डित किया जाएगा।

यूपी चुनाव में मोदी लहर: जहां लड़ाई कठिन थी, वहीं उतरे मोदी; फिर भी 19 रैलियों से 134 सीटों पर जीत दिलाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 2017 की तरह इस बार भी मोदी मैजिक खूब चला। मजबूत रणनीति के तहत क्रू मोदी ने पश्चिमी क्र से लेकर पूर्वांचल तक 134 सीटों पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि कड़ी टक्कर वाली सीटों पर क्रू मोदी ने खुद कमान संभाली थी। इन सीटों पर वो हिंदुत्व का संदेश देने में कामयाब भी रहे। मोदी ने पहले चरण के प्रचार से 20 दिनों के अंदर 19 रैलियां करके 192 सीटों के लोगों तक अपनी बात पहुंचाई। सपा प्रमुख अखिलेश भी मोदी क्रेज को समझते थे। इसलिए उन्होंने भी इन्हीं सीटों पर जनसभाएं कीं। हालांकि, नतीजा आपके सामने है। मोदी ने जिन सीटों पर प्रचार किया, उनमें 134 विधानसभा सीटें भगवा रंग में रंग चुकी हैं।

मोदी ने 16,836 किमी का चुनावी सफर किया

प्रचार बिना कोई चुनाव नहीं होता। 2007 की बहुमत वाली मायावती सरकार के पैर अखिलेश यादव ने 2012 में रथयात्रा और जनसंपर्क करके उखाड़े थे। सीधे शब्दों कहें तो मायने यही रखता है कि चुनाव में नेताजी जनता के बीच कितना रहे। खुद क्रू मोदी वाराणसी में हाथ जोड़कर वोट मांगते नजर आए। उनकी चुनावी यात्रा सहारनपुर से 10 फरवरी को शुरू हो जाती है। नॉनस्टॉप वो 5 मार्च तक लोगों के बीच रहते हैं। योगी को दोबारा ष्टरूबनाने के लिए लोगों से अपील करते हैं। इस दौरान वो माफिया पर प्रहार, मजबूत लॉ एंड ऑर्डर से लेकर सपा के शासन में हुई गुंडागर्दी तक को याद दिलाते हैं।

लोकसेवक द्वारा जानबूझकर फर्जी दस्तावेज बनाना कितना गंभीर अपराध होता है जानिए/IPC....।

सरकार राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के अधीन कार्य करने वाले प्रत्येक लोकसेवक जो कुछ न कुछ अधिकार देती है। अगर कोई लोकसेवक अपने अधिकार का गलत या किसी को क्षति करने के अशाय से फायदा लेता है तब उनके इन कृत्यों के लिए दण्डात्मक कार्यवाही भी की जाती है। कोई लोकसेवक जानबूझकर कोई फर्जी दस्तावेज को बनाता है जिससे किसी व्यक्ति को क्षति पहुंचे वह कितना गंभीर अपराध होगा जानिए।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 168 की परिभाषा-? लोकसेवक जानबूझकर किसी व्यक्ति को क्षति करने के उद्देश्य से कोई गलत, त्रुटिपूर्ण,झूठे दस्तावेज तैयार करता है या दस्तावेजो का गलत अनुवाद करता है तब ऐसा लोकसेवक उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 167 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-? यह अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते। इनकी सुनवाई का अधिकार प्रथम वर्ग के न्यायिक मजिस्ट्रेट को होगा।

सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान।

मानव अधिकार रक्षकों की बैठक हुई संपन्न

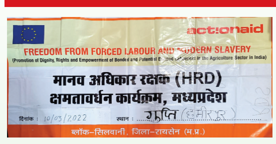

सिलवानी। बैठक में वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु हर संभव प्रयास करने पर दिनांक 10 मार्च 2022 को ग्राम गुप्ति में सामाजिक संस्था एक्शन ऐड द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। प्रशिक्षण कम्युनिटी मोबिलाइजर एंड रिलीफ वर्कर अतरसिंह भारतीय के नेतृत्व में संस्था एक्शनएड एसोसियेशन से अनामिका रॉय, विजय कुमार, पोथीराम लोधी, परमसुख रघुवंशी, गोपालसिंह दिवाकर, ओमवती सिसौदिया की विशेष उपस्थिति में मध्यप्रदेश के रायसेन जिले की सिलवानी ब्लॉक के गांव चिकली, चिंगवाडा, ऊषापुर, रमपुरा, चिरह, मनकवाडा, तुलसीपार, अर्जानी, समनापुर, उचेरा से एच आर डी लोगों ने भागीदारी की। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए विजय कुमार ने समुदाय आधारित संगठनों को वृहद रूप में संघठात्मक ढांचे में तब्दील करने पर जोर दिया वही अनामिका रॉय ने कहा कि समाज के हर वंचित तबके के लोगों की मदद करना हमारा नैतिक दायित्व है और हमें महिलाओं और बच्चों की रक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम को संचालित करते हुए समाज सेवी अतरसिंह भारतीय ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को दिलाने के लिए हमें शासन व प्रशासन से समन्वय स्थापित कर हर संभव प्रयास करना चाहिए और संविधान में प्रदत मौलिक अधिकारों से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे तथा न ही कोई एट्रोसिटीज की घटनाएं हो पाएं। ऐसी पहल हमेशा जारी रखना चाहिए। अंत में भारतीय द्वारा उपस्थित जनों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम को संपन्न कराया।

आल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच एवं भीम आर्मी ने महिलाओं के बीच मनाया महिला दिवस

बाड़ी/ पोनिया। 7 मार्च को ग्राम पंचायत पोनिया में भीम आर्मी के रायसेन जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ओर आल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच के जिला प्रमुख मीना पवार ने महिलाओं के बीच जाकर महिला दिवस मनाया । ओर महिला दिवस केसे महिलाओं के लिए समर्पित है बाबा साहेब अंबेडकर जी ने महिलाओं को क्या क्या अधिकार दिए है माता सावित्री बाई फुले ने केसे महिलाओं को शिक्षित किया इन सभी विषयों पर चर्चा की जिसमे ग्राम पंचायत पो कि सभी महिलाएं उपस्थित रहीं ओर पंचायत सहायक सचिव नेपाल सिंह जी उपस्थित रहे।

इस दुनिया में सभी इंसानों में योग्यता कुट-कुट कर भरा है यह अलग बात है कि कुछ धुर्त और चालाक लोगों ने योग्यता को अपनी बपौती बनाने के लिए लोगों को शिक्षा से वंचित रखा , फिर भी अशिक्षित होते हुए भी उस समय भी बहुजन समाज के हमारे महापुरुषों ने अपनी योग्यता साबित किया और सवर्ण समाज को मुंहतोड़ जवाब दिया

योग्यता

सामंतों से योग्यता में
शुद्र कम नहीं है
सामंत ना सोचें कि
शुद्रो में दम नहीं है ?
इतिहास गवाह है
इस बात का
एकलव्य का अंगूठा
द्रोणाचार्य ने
क्यो काटा था
अर्जुन को श्रेष्ठ बनाने
गुरु दक्षिणा मांगा था
इस सच को
स्वीकार करने
अगड़ों में दम नहीं है
मनुवादियों से योग्यता में
शुद्र कम नहीं है
समुद्र मंथन भी
देवताओं और असुरों
ने मिलकर किया था
अमृत सभी देवताओं
ने पिया और
असुरों को विष
पिलाया था ?
आमने-सामने की
युद्ध में जातिवादी
शुद्रो से कभी
जीत नहीं सकते
साम दाम दण्ड भेद
नीति हरदम है अपनाते
मानव मानव में
भेद है करते
ये सामंत बड़े ही
बेशरम है
सामंतो से योग्यता में
शुद्र कम नहीं है
उच्च वर्ग इतने ही
विद्वान थे तो ?
देश का संविधान
क्यो नही लिख सके ?
अपनी योग्यता साबित
क्यो नही कर सके ?
आंबेडकर को आगे
क्यो कर दिया ?
एक अछुत ने
देश का संविधान लिखा
उस समय फिर
साबित हों गया कि
कुलिनो में दम नहीं है
आंबेडकर ने साबित किया
अछुत इनसे से
योग्यता में कम नहीं है
शुद्रो का सामना
कर सकें
शासकों में वह दम
नही है
कल भी,आज भी और
आने वाले भविष्य में भी
सामंत से योग्यता में
शुद्र कम नहीं है
सामंत यह ना सोचे
कि शुद्रो में दम नहीं है

हरीश पांडल
विचार क्रांति

एकता की ध्वजा

इंकलाब की ध्वजा लेकर,
चल पड़े ,लोग मेरे गांव के।।

बंधुत्व का सरोवर,
भरने लगे,लोग मेरे गांव के।

ईरशा की जंजीर,
तोड़ने लगे लोग मेरे गांव के।

कुरुतियों के मकड़जाल,
साफ करने लगे लोग मेरे गांव के।।

पाखंडवाद की हकीकत,
जानने लगे लोग मेरे गांव के

नफ़रत के बागान,
उजाड़ने लगे लोग मेरे गांव के

प्रेम के सुमन,
बरसा ने लगे लोग मेरे गांव के

धर्म निरपेक्ष की कासत,
*उगाने लगे लोग मेरे गांव के**

वर्ग भेद की बाढ़
रोकने लगे , लगे लोग मेरे गांव के

शिक्षा का दीप
जलाने लगे, लोग मेरे गांव के

संविधान की ताकत
समझने लगे ,लोग मेरे गांव के

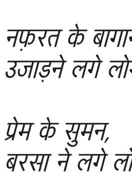

अंशु कवि
नारायण मासाब
नर्मदापुरम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम मे आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती दीपिका सूरी विशिष्ट अतिथि भारतीय स्टेट बैंक के मैनेजर डॉ कविता बारंगे समाज सेविका श्रीमती कल्पना सरकार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन सुश्री सोनाली जी एवं डॉ वर्षा चौधरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् संगीत विभाग की छात्राओं ने मां सरस्वती शारदे वंदना की प्रस्तुति दी। श्री प्रेम कांत कटंगकार ने हारमोनियम पर श्री रामसेवक शर्मा ने तबले पर संगत दी। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 1 दिन के लिए हमारी भावना नहीं होना चाहिए ।सशक्तिकरण का अर्थ आधुनिकता नहीं है। जरूरी नहीं कि आप नौकरी ही करें, परंतु एक पुत्री, पत्नी, मां के रूप में अपने आप को प्रतिस्थापित कर सकती है। सिर्फ वस्त्र एवं अंग्रेजी ही आपके मजबूत व्यक्तित्व की परिचायक नहीं है। महिला लीडर में संवेदनाओं के साथ-साथ तर्क के सहित संतुलन की अद्भुत क्षमता होती है। शिक्षा क्षेत्र महिलाओं को सशक्त बना सकता है। महिलाएं समाज और राष्ट के निर्माण का एक अहम हिस्सा बन चुकी है। घर परिवार में रहने वाली महिलाएं चारदीवारी के बाहर निकलकर अन्य क्षेत्रों की ओर बढ़ी तो उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिलने लगी। खेल जगत से लेकर मनोरंजन तक और राजनीति से रक्षा मंत्रालय तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं

।महिलाओं की इसी भागीदारी को बढ़ाने और अपने अधिकारों से अनजान महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से अंतर्राष्टीय महिला दिवस मनाया जाता है। पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती दीपिका सूरी ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि हर इंसान की एक कहानी है। अपनी एक अलग कहानी बनाओ । सीमित संसाधनों का उपयोग करना आना चाहिए। अपने आप पर विश्वास होगा तभी आप गलत का विरोध करेंगे ।छोटी-छोटी चीजें आपके व्यक्तित्व का निर्धारण करती है ।आप विपदा का इंतजार ना करें। हमेशा सीखते रहें डटे रहें। आपको अपनी जिंदगी का सही निर्णय लेना आना चाहिए। साईबर वर्ड से सचेत होना अति आवश्यक है। हमें अपनी मानसिकता को सकारात्मक करना होगा। यातायात एवं महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न धाराओं से वीडियोग्राफी के माध्यम से छात्राओं को पुलिस महा निरीक्षक ने अवगत कराया। भारतीय स्टेट बैंक मैनेजर श्रीमती कविता बारंगे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर दिन महिला का है। वह समाज की धुरी है परंतु महिलाओं का पूर्णरूपेण आर्थिक सशक्तिकरण अति आवश्यक है। महिलाएं घर और बाहर अच्छा कार्य कर रही हैं परंतु आर्थिक मुद्दों पर वह अपने परिवार पर निर्भर होती है। समाज सेवी श्रीमती कल्पना सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए स्वरोजगार से जाना अति आवश्यक है। जिसने शिक्षा एवं समाज के लिए कार्य किया वह सफल हुआ है। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए डॉ संध्या राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं की समाज में महती भूमिका है महिलाएं हर क्षेत्र में न सिर्फ सम्मानित हो रही हैं बल्कि अपना परचम लहरा रही है। आभार डॉ वर्षा चौधरी ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ किरण पगारे, डॉ पुष्पा दुबे, डॉ. भारती दुबे, डॉ संगीता अहिरवार, डॉ रश्मि श्रीवास्तव डॉ आर वी शाह डॉ हर्षा चचाने, डॉ श्रुति गोखले ,डॉ कंचन ठाकुर, डॉ वैशाली लाल, डॉ संगीता पारे, डॉ मधु विजय, डॉ रीना मालवीय, डॉ मनीष तिवारी डॉ विजय देवास का डॉ निशा रिछारिया, श्रीमती आभा वाधवा, डॉ कीर्ति दीक्षित, डॉ नीतू पवार, श्रीमती अंकित तिवारी, डॉ पूजा थापक ,श्वेता वर्मा ,श्रीमती किरण विश्वकर्मा, श्रीमती प्रीति ठाकुर, श्रीमती विमला कदम, डॉ प्रगति जोशी, डॉ प्रीति मालवीय ,श्रीमती दीपिका राजपूत शिवानी चौबे महाविद्यालय के स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई शासकीय नर्मदा महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन किया गया

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का बुधवार को सातवां व अंतिम दिन जिसकी शुरुआत प्रभात फेरी के साथ की जिसके अंतर्गत तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार आदि गीतों के साथ प्रभात फेरी निकाली ग्राम संपर्क अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त भारत पर प्रभावी उद्बोधन गीत नुक्कड़ नाटक आदि किए गए तकनीकी सत्र में कार्यक्रम अधिकारी ने हमें प्लास्टिक मुक्त भारत पर महत्वपूर्ण जानकारी दी एवं स्वयंसेवक ओम प्रकाश द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष में प्रकाश डाला गया सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के ध्वजाअवरोहण शिविर समापन के समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे जिले के जिला संगठन डॉक्टर डीएस खत्री राष्ट्रीय सेवा योजना स्कूल के प्राचार्य श्री महेंद्र सिंह तोमर ग्राम जासलपुर के सरपंच श्री अंबिका राजपूत समाजसेवी श्री सिंह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बीएन राय तथा समस्त स्टाफ स्कूल का समस्त स्टाफ, सभी स्वम सेवक ,कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर इरा वर्मा एवं डॉ सुनील कुमार दिवाकर उपस्थित रहे।

विधि विभाग द्वारा एक दिवसीय विधिक सहायता एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया।

नर्मदापुरम। आज शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम के विधि विभाग द्वारा ग्राम जसलपुर में एक दिवसीय विधिक जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर का आरंभ जसलपुर ग्राम के प्राइमरी पाठशाला से विधि के छात्रों के द्वारा रैली के माध्यम से किया गया।बछात्रों ने विधिक जागरूकता हेतु पोस्टर एवं बैनर तैयार किए। रैली के उपरांत ग्राम के दो मोहल्लों में दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने हेतु ग्राम वासियों की जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन नुक्कड़ नाटक में प्रमुख रूप से रोशनी सेन, प्रगति तोमर, शाहरुख खान, अमन अवस्थी, विशाल दिवान, रिया वर्मा आदि विधि विभाग की छात्र-छात्राओं ने किया। उसके बाद विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर ग्राम-वासियों की समस्याओं की जानकारी ली एवं उन्हें उपयुक्त समाधान प्रदान करने की कोशिश की तथा उनको सही दिशा निर्देशित किया कि वे किस प्रकार अपनी समस्याओं का समाधान कर

सकते हैं छात्रों समूहों में बांटकर दस -दस घरों में जाकर समस्या और उसका समाधान किया।कार्यक्रम के समापन में नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ ओ. एन. चौबे के द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित किया गया और उनके कार्य की सराहना की ।कार्यक्रम में प्रोफेसर संजय चौधरी, प्रोफ़ेसर कमल चौबे, डॉक्टर दिवाकर, डॉक्टर ईरा वर्मा, डॉक्टर कल्पना भारद्वाज, अभिषेक सिंह ,राजदीप भदोरिया और श्री अपूर्व वर्मा, अंजना यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच का एवं ग्राम वासियों का सहयोग सराहनीय रहा।

कार्यालय के पन्नों और अखबारी कागजों के भरोसे हो रहा नगर का सर्वांगीण विकाश।

__बिजुरी।__ नगरपालिका क्षेत्र बिजुरी का सर्वांगीण विकाश करने का दम्भ भरने वाली मुख्यनगरपालिका अधिकारी मीना कोरी बिजुरी में पदस्थापना के बाद से ही अनूपपुर जिला सहित सम्भाग भर में सुर्खियां बटोर रही हैं। जिसकी मुख्य वजह इनके द्वारा की जा रही भर्रेशाही है, कार्यालय में आने-जाने का सु-श्री जी के पास निश्चित वक्त नही होता, जन-प्रतिनिधियों सहित समाजिक संगठनों एवं आमलोगों से मुखातिब होने को सु-श्रीजी शान के खिलाफ समझती हैं। चंद चटुकारों के साथ डींगें हाककर कार्यालय से रवाना हो जाना इनकी दिनचर्या में शुमार है। वार्डों में भ्रमण करने से स्वास्थय पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ऐसी मानसिकता के साथ जी रही मुख्य नगरपालिका अधिकारी का स्वयं के नैतिक-कर्तव्यों से इति-श्री कर लेने के कारण ना सिर्फ नगर का विकाश पूरी तरह से बाधित हैं। बल्कि इनका भृष्टाचारियों का पनाहगार बन जाने कि वजह से शासन को भी खुलेतौर पर आर्थिक क्षति पहुंच रही है।

इनके पदस्थापना पश्चात से नगर में एक भी बड़ा विकाश कार्य नही हुआ अब तक- *मुख्य नगरपालिका अधिकारी मीना कोरी का बिजुरी में पदस्थापना जबसे हुआ है, नगर के लोग विकाश के लिऐ पूरी तरह से ललायित हो गये हैं, इनके पदस्थापना पश्चात से एक भी ऐसा वृहद कार्य नगरहित में फलीभूत नही किया गया है, जिसका उपयोग लोकहित व नगरहित में किया जा सके। और कोई कार्य अगर किया भी गया है, तो वह सिर्फ कागज के पन्नों में दबकर धूल फांक रही है। या फिर प्रारम्भ होने के लिये सुश्री जी के आदेश की प्रतीक्षा में रूका हुआ है।*

सभी कर्मचारियों को नही मिल रहा है प्रतिमाह वेतन- *सु-श्री जी ने अपनी पदस्थापना के पश्चात से स्थानीय निकाय को इस कदर बदहाली कि व्यवस्था में लाकर खड़ी कर दिऐ हैं, कि सही समय पर स्थानीय निकाय कर्मचारियों को वेतन तक मुनासिब नही हो पा रहा है। जिससे अधीनस्थ कर्मचारियों में भी असंतुष्टता का भाव साफ प्रदर्शित नजर आता है।*

शुरूवात से ही फर्जी भुगतानों के लगातार लग रहे हैं आरोप- *मुख्य नगर पालिका अधिकारी मीना कोरी पर बिजुरी नगरपालिका में पदस्थापना पश्चात से ही फर्जी भुगतान करने का आरोप लगातार लगते रहे हैं, जिससे नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है कि नगरपालिका अधिकारी कभी वार्डों का भ्रमण नही करते, इनके आगमन पश्चात से नगरहित में कोई भी विकाश कार्य फलीभूत नही हुआ, और तो और कर्मचारियों को वेतन भी सही समय पर नही मिल पा रहा है, फिर भी परिषद से एक लाख से कम राशियों का दनादन फर्जी भुगतान कर लाखों-करोड़ों का व्यारा-नारा लगातार किया जा रहा है।*

सत्ता संगठन के लोगों में भी उपजा आक्रोश, लेकिन जिला व प्रदेश संगठन है खामोश- *तानाशाही एवं भर्रेशाही कि चरम सीमा को लांघती मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिजुरी स्वयं को संयुक्त निदेशक नगरीय प्रशासन से कम ओहदे का बिल्कुल भी नही आंकती है, सत्ताधारी दल भाजपा, सहित वार्ड प्रतिनिधी, आम नागरिकों से सीधे तौर पर कभी बात तक नही करती और ना ही जनहित के मुद्दों पर किसी का फोन उठाती हैं। जिस कारण ना सिर्फ सत्ता पक्ष के लोग बल्कि जनप्रतिनिधी एवं आम लोगों में भारी रोष व्याप्त है।*

नित्या प्रदर्शनी में देखें नवग्रह, मन मोह लेंगे 64 योगिनियों के अद्भुत रूप

रिपोर्टर-कैलाश कुमार अहिरवार

दिल्ली–अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर त्रिवेणी कला संगम में देश की जानी मानी स्कल्पचर आर्टिस्ट निवेदिता मिश्रा के मूर्तियों की प्रदर्शनी नित्या मंगलवार से शुरू हो गई है. यह प्रदर्शनी 22 मार्च तक चलेगी. इस प्रदर्शनी में 10 फीट लंबे संगमरमर के पत्थरों पर नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगला, बुद्ध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु आकर्षण का केंद्र है. हर ग्रह को एक स्तोत्र, एक वैदिक मंत्र तंत्र और एक वाहन की रेखा रेखाचित्र द्वारा परिभाषित किया गया है. शिव के साथ ग्रहों के गहरे और दिव्य संबंध को त्रिशूल के माध्यम से दर्शाया गया है. निवेदिता बताती है कि काले संगमरमर पर ही नौ ग्रहों को इसलिए बनाया गया, क्योंकि काला रंग ब्रह्मांड का प्रतीक होता है. इस पर बनने की वजह से वे नौ ग्रहों की ऊर्जा और आभा को दर्शा रहे हैं।

64 योगिनियों का अद्भुत रूप

प्रदर्शनी में आपको धातु पर बने 64 योगिनियों का अद्भुत रूप भी देखने को मिलेगा. हर योगिनी को लकड़ी पर कुछ इस तरह रखा गया है कि वह हर किसी का मन मोह ले. निवेदिता बताती हैं कि 28 साल से उन्हें इस दिन का इंतजार था. वैसे तो कई बार उनके स्कल्पचर अलग-अलग प्रदर्शनियों में प्रदर्शित हुए हैं लेकिन लेकिन यह पहली बार है जब उनके लगभग 100 से अधिक कार्य एकल प्रदर्शनी के तौर पर जनता के सामने हैं. वे इस प्रदर्शनी को अपने पिता नित्यानंद मिश्रा को समर्पित करते हुए बताती हैं कि पिता ने हमेशा सपनों को बल दिया और आज मैं जो भी हूं, उनकी वजह से ही हूं. आज वह मेरे साथ नहीं है लेकिन मेरे हाथों में पत्थर तोड़ने की ताकत उनसे ही मिलती है।

सती के रूप हैं बेहद खास

निवेदिता मिश्रा का शिव और शक्ति पर अलग ही विश्वास है. वे दोनों को एक रूप में ही मानती हैं. इसकी झलक उनकी प्रदर्शनी में भी साफ नजर आती है. उन्होंने सती के होंठ, कान, आंख, नाक, दाहिने पैर और पायल को पत्थर पर तराशा है. कामाख्या देवी के स्वरूप को भी उन्होंने अद्भुत तरीके से दर्शाया है. वह बताती है कि स्त्री ही जननी है, वह देवी है, वह मां का रूप है. वह अपनी इस प्रदर्शनी को विश्वास का एक प्रतीक बताती हैं. यह विश्वास अनंत, शाश्वत, सर्वशक्तिमान है।

खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह के प्रयासों से विधानसभा अनूपपुर को बजट में मिली कई सड़कों की सौगात-सिद्धार्थ

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह ने विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के विधायक एवं मध्यप्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह के द्वारा लगातार विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री जी द्वारा अनूपपुर जिले एवं विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के सर्वांगीण विकास के लिए समस्त विभागों से किसी न किसी कार्य के लिए निरंतर धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।उस धनराशि के अनुरूप विकास के कार्य अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र में काफी तीव्र गति से किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि विधानसभा में बजट सत्र में आज मध्यप्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने कई सड़कों की सौगात विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर को दिलाई है।निश्चित ही आने वाले समय में विधानसभा क्षेत्र की अधिकांश ग्रामीण अंचल की सड़कें पक्की सड़कों में तब्दील हो जाएंगी।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बजट में जो सड़के स्वीकृत कराई गई हैं उसमें प्रमुख रूप से जैतहरी क्योटार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क मार्ग से पटोरा टोला पहुंच मार्ग 2.10 किलोमीटर 1 करोड़ 20 लाख रुपए, चटूवा से धनपुरी मार्ग 4 किलोमीटर 2 करोड़ रुपए ,पिपरिया पौड़ी दूधमनिया मार्ग 7 किलोमीटर 2 करोड़ 99 लाख रुपए, बरबसपुर से भोलगढ़ पहुंच मार्ग 4 किलोमीटर 2 करोड़ रुपए, तितरी पौड़ी से जोरा तालाब दैखल पहुंच मार्ग 3 किलोमीटर 1 करोड़ 45 लाख रुपए, अनूपपुर जैतहरी मार्ग किलोमीटर 3/6 में कुसमहाई पहुंच मार्ग 3 किलोमीटर 1 करोड़ 45 लाख रुपए, बेलिया फाटक से अमगवा पहुंच मार्ग 3 किलोमीटर 1 करोड़ 36 लाख रुपए, संजय नगर से मोहरी पहुंच मार्ग 1.50 किलोमीटर 1 करोड़ 25 लाख रुपए, जैतहरी धुर्वासीन मार्ग महूदा से मोहरी रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग 4 किलोमीटर 2 करोड़ 10 लाख रुपए, क्योटार से रोहिला कछार पहुंच मार्ग 2.50 किलोमीटर 1 करोड़ 35 लाख रुपए की सड़कें बजट में स्वीकृत कराने में सफलता मिली है।

जिला भाजपा उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह ने खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निश्चित ही मंत्री जी के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर आने वाले समय में मध्यप्रदेश में अपनी एक अलग पहचान कायम करेगा जहां समस्त मूलभूत सुविधाएं आने वाले वर्षों में लोगों को मिलने लगेगी।उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचल में सड़के स्वीकृत होने से ग्रामीण जनों ने फोन द्वारा मंत्री जी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं एवं ग्रामीण अंचल में हर्ष और उल्लास का वातावरण बना हुआ है।

जनहितकारी बजट के लिए विधायक कमरो ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

कोटाडोल को तहसील का दर्जा मिलने से क्षेत्र में हर्ष की लहर।

__कोरिया।__ सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो की मेहनत रंग लाई है। बुधवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट अभिभाषण में कोटाडोल को जैसे ही तहसील का दर्जा दिये जाने की घोषणा की जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र कोटाडोल में हर्ष की लहर दौड़ गई। इसके लिए वनांचलवासियों ने मुख्यमंत्री एवं विधायक कमरो के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त करते हुए उनके जिंदाबाद के नारे लगाये। विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश के बजट में संवेदनशील एवं जन-जन के प्रिय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संपूर्ण प्रदेशवासियों को एक से बढ़कर एक सौगात दी है।

मुख्यमंत्री ने बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा है। विधायक ने कहा कि कोटाडोल को तहसील का दर्जा बहुप्रतीक्षित मांग थी जिसे पूरा कर मुख्यमंत्री ने वनांचलवासियों की भावनाओं की कद्र की है। अब यहां के लोगों को तहसील संबंधी कार्यों के लिए भरतपुर की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। इससे राजस्व संबंधी कामकाज में गति आएगी। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर सरकारी कर्मचारियों को बजट में सबसे बड़ी सौगात दी है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन लागू होने से 1 जनवरी 2004 के बाद नियुक्त 3 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। पुरानी पेंशन योजना लागू होने से आने वाले एक दशक तक सरकार पर वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा उल्टे 16 सौ 80 करोड़ रूपये सालाना की बचत होगी। यह वह रकम है जिसे राज्य शासन अंशदायी पेंशन यानी नई पेंशन स्कीम में अपने पास से देती है। पुरानी पेंशन स्कीम लागू होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब कर्मचारियों के वेतन से 10 फीसदी की कटौती नहीं होगी साथ ही पुरानी पेंशन योजना में जीपीएफ फंड की सुविधा भी मिलेगी। जीपीएफ के ब्याज पर किसी प्रकार का इनकम टैक्स नहीं लगेगा। इसके अलावा अब रिटायरमेंट के समय कर्मचारियों को पेंशन प्राप्त करने जीपीएफ से कोई निवेश भी नहीं करना पड़ेगा। विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि बजट में सौगातों की झड़ी लगाने वाले प्रदेश के मुखिया ने युवाओं के लिये भी पिटारा खोला और व्यापम तथा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शामिल होने वाले राज्य के अभ्यर्थियों से अब किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिए जाने की घोषणा कर युवाओं को बड़ी राहत प्रदान की। इससे राज्य के बेरोजगार युवाओं पर परीक्षा में शामिल होने के लिए कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। वहीं मुख्यमंत्री ने पूर्व में घोषित 4 नए जिलों को भी बजट में शामिल किया है। इससे अब चारों नवोदित जिले शीघ्र अस्तित्व में आ जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विधायक निधि में इजाफा कर 4 करोड़ निर्धारित कर दिया है। इससे अब विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में इसका सदुपयोग कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। बजट में जनप्रतिनिधियों के मानदेय में भी बढ़ोत्तरी की गई है।

कृषि के साथ बकरी और मुर्गीपालन की गतिविधि बदली सुदृढ़ आमदनी के व्यवसाय में, नए आर्थिक लाभ से आशान्वित है जयकुमारी का भविष्य

गांव के लोगों के लिए भी बनी प्रेरणा

कोरिया। सामान्य सा आदिवासी कृषक परिवार अब परिवार की महिला के सूझबूझ और मेहनत से बकरी पालन के नए व्यवसाय में महात्मा गांधी नरेगा की मदद से आगे बेहतर भविष्य की राह में आगे बढ़ रहा है। एक आदिवासी परिवार की महिला सदस्य के लिए यह एक स्वरोजगार की तरह स्थापित हो रहा है। परिवार की महिला सदस्य श्रीमती जयकुमारी ने बीते छह माह में ही बकरियों को बेचकर 60 हजार रूपए का आर्थिक लाभ प्राप्त कर लिया है। कोरिया जिले के सोनहत वनांचल के ग्राम कुशहा में रहने वाले सोनवंशी परिवार के लिए कृषि आजीविका का मुख्य साधन रहा है और खेती बाड़ी के अलावा परंपरागत रूप से बकरी पालन का काम परिवार करता रहा है। आज से एक साल पहले तक इस परिवार के लिए बकरी पालन सामान्य कार्य ही था पर अब यह जयकुमारी और उनके परिवार के लिए सुदृढ़ आमदनी के व्यवसाय में बदल रहा है। मुस्कुराते हुए श्रीमती जयकुमारी कहती हैं कि अब रोजगार की कोई चिंता नहीं है इसी काम को और आगे बढ़ाना है। यह पूरी कहानी एक आदिवासी किसान परिवार की है जिसके पास संसाधन ना होने से वह चाहकर भी अपने लिए कुछ ज्यादा बेहतर नहीं कर पा रहे थे। ग्राम नवगई से आई हुई श्रीमती जयकुमारी ने बारहवीं तक की शिक्षा प्राप्त की है। विवाह के बाद वर्ष 2017 में इन्होने गांव में बिहान टीम के प्रेरणा से समूह के सदस्य के रूप में अपना काम प्रारंभ किया। इसके साथ ही मनरेगा के एक पढ़े लिखे अकुशल श्रमिक होने के कारण उन्हे ग्राम पंचायत ने मनरेगा के लिए मेट का दायित्व भी दिया। महामाया स्व सहायता समूह की लेखापाल बन चुकी श्रीमती जयकुमारी कहती हैं कि अपना काम करना चाहती थी इसलिए घर में ही परंपरागत खेती के साथ बकरी और मुर्गीपालन को प्रारंभ किया। पहले जगह ना होने के कारण उन्हे बड़ी संख्या में बकरी रखने में दिक्कत होती थी। इसलिए महात्मा गांधी नरेगा के अंर्तगत बकरीपालन आश्रय स्थल बनाने के लिए ग्राम पंचायत में एक आवेदन दिया। श्रीमती जयकुमारी बतलाती हैं कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान में जुडकर महामाया समूह में काम करते हुए दो साल पहले गांव के साप्ताहिक बाजार का ठेका प्राप्त हो गया था। इससे भी इनको अच्छी आय प्राप्त हुई। जिसे इन्होने बचाकर रखा था। इसके बाद जब वर्ष 2020-21 में इनके लिए बकरीपालन आश्रय स्थल प्राप्त हुआ तो इन्होने अपने बचत की राषि लगभग 35 हजार रूपए और लगाकर इस शेड को बड़े आकार का बनवा लिया। जनवरी में प्रारंभ हुआ यह कार्य अप्रैल माह में पूरा हो गया। इसमें काम करने से इस परिवार को लगभग दस हजार रूपए की मजदूरी की राशि भी प्राप्त हुई। श्रीमती जयकुमारी ने बताया कि इनके पास आश्रय स्थल बनने के पहले बीते साल तक चार-पांच बकरे बकरियां थे इसके बाद पक्का आश्रय स्थल होने से व्यवस्थित बकरी पालन के व्यवसाय से ही अब तक कुल 12 बकरियां बेचकर 60 हजार रूपए से ज्यादा का आर्थिक लाभ हो चुका है।

गांजा की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

1 किलो गांजा के साथ मोटरसाइकिल जप्त, चरचा पुलिस की कार्रवाई।

कोरिया। जिले के चरचा थाना अंतर्गत अवैध मादक पदार्थ गांजा का परिवहन करने के मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से लगभग 1 किलो 10 ग्राम गांजा और परिवहन में उपयोग किये गये मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के निर्देशन एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कविता ठाकुर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी चरचा के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर टीम बनाकर घेराबंदी कर आरोपी गुमान सिंह निवासी गधे गदबदी एवं उदय प्रताप सिंह निवासी कठौतिया को ग्राम नगर में पकड़ा गया जिनके पास से 1 किलो 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल कुल कीमत लगभग 57070 रुपये को जप्त कर लिया गया। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर रिमांड में जेल भेज दिया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी चरचा उप निरीक्षक अनिल कुमार साहू, प्रधान आरक्षक बृजेश सिंह, आरक्षक अमल कुजूर,आरक्षक अखिलेश जयसवाल भगत सिंह, सैनिक जुपेंद्र कुशवाहा की सराहनीय भूमिका रही।

यूपी की जीत पर जश्न, सिरोंज, कुरवाई में सड़कों पर निकले बुलडोजर

सिरोंज/कुरवाई। उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के जीत को देख भाजपा जश्न में डूबी हुई है। उत्तर प्रदेश में चले बुलडोजर का असर यहां भी देखने को मिला। यूपी में योगी की जीत से खुश भाजपा ने सिरोंज, कुरवाई में बुलडोजर लेकर रैली निकाली। कुरवाई में विधायक कार्यालय पर जमकर जश्न मनाया गया। कार्यकर्ता यहीं नहीं रुके बुलडोजर मंगवाया गया और इस पर कार्यकर्ता चढ़कर खूब झूमे। इसके बाद बुलडोजर पर सवार होकर लोगों ने जुलूस निकाला। बुलडोजर एवं डीजे से विधायक कार्यालय से नगर के मुख्य मार्गो से जीत का जश्न मनाते हुए जुलूस निकाला उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ बुलडोजर बाबा को ख्याति प्राप्त होने से कार्यकर्ताओं ने अपने विजय जुलूस में दो बुलडोजर को शामिल कर किया गया। नगर में आतिशबाजी डीजे की धुन पर कार्यकर्ताओं ने गुलाल से होली खेल विजय जुलूस निकाल कर खुशी जाहिर की। सिरोंज में मुख्य बाजार में रैली निकाली और छतरी चौराहे पर मिठाइयों का वितरण किया। भाजपा नेता प्रशांत पालीवाल के नेतृत्व में नगर में डीजे व बुलडोजर के साथ वाहन रैली निकाली गई जो बासौदा नाका, लिंक रोड, छत्रीनाका,बा मोरा रोड, कस्टम पथ, विद्यार्थी पथ, कठाली बाजार सहित मुख्य बाजार से होते हुए नया बस स्टैंड पर पहुंचकर कर समापन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर के सामने योगी की फोटो लगाकर बुलडोजर बाबा के जयकारे भी लगाते हुए नजर आए। इस दौरान प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता रमेश यादव, सुमंत मित्तल, तोषमणी पंथी, हरिचरण अहिरवार, पूर्व पार्षद सचिन शर्मा, सीताराम कुशवाह, मुंशीलाल कुशवाह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया 32वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट राष्ट्रीय प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया राज्य का सम्मान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं के क्षमता प्रदर्शन में निरंतर हो रहा है उन्नयन : खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खेलों को प्रतिष्ठित करने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित ओलिंपिक में भी प्रदेश का सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। आत्म-निर्भर भारत और आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प में कैनोइंग, स्टैंड अप पेड्लिंग आदि में लगने वाली बोट का निर्माण भी शीघ्र ही देश में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान, स्व. श्री संजीव कुमार सिंह की स्मृति में भोपाल के छोटे तालाब पर 32वीं राष्ट्रीय केनो स्प्रिंट, 15वीं पेरा केनो, प्रथम स्टेंडअप पैडलिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2021-22 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुलिस बैंड द्वारा बजाई गई सुमधुर धुन और आतिशबाजी के बीच गुब्बारे छोड़कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, पुलिस महानिदेशक होमगार्ड श्री पवन जैन, पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी, श्रीमती ज्योति सिंह, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के खिलाड़ी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान के सम्मुख रो मार्च तथा प्रतियोगिता में शामिल होने वाली विभिन्न बोट की प्रस्तुति हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान को आयोजन की केप और स्मृति-

चिन्ह भेंट किए गए। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री नमिता चंदेल ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। मार्च 13 तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 27 राज्य के 750 खिलाड़ी सम्मिलित हो रहे हैं। कुल 285 पदक के लिए प्रतिस्पर्धाएँ होंगी। इन प्रतिस्पर्धा के माध्यम से राष्ट्रीय दल के चयन की प्रक्रिया होगी, जो बीजिंग एशियन गेम में भाग लेगा। कयाकिंग कैनोइंग ओलिंपिक खेल है और देश में इस खेल में भोपाल का महत्वपूर्ण स्थान है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आईपीएस स्वर्गीय श्री संजीव कुमार सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि श्री सिंह अपने कार्यों से सदैव हमारी स्मृतियों में रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं और जीवन में खेल भावना का होना भी आवश्यक है। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश में खेल गतिविधियों का विस्तार और खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन एवं क्षमता में निरंतर उन्नयन हो रहा है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में खेल सामग्रियों के निर्माण के क्षेत्र में भी कार्य किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक होमगार्ड श्री पवन जैन ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर किया नमन

भोपाल। *मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर आज निवास कार्यालय स्थित सभाकक्ष में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया। जैतपुर जिला शहडोल से विधायक श्रीमती मनीषा सिंह तथा विजयपुर जिला श्योपुर से विधायक श्री सीताराम आदिवासी भी उपस्थित थे। स्व. श्रीमंत माधवराव सिंधिया का जन्म 10 मार्च 1945 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने सिंधिया स्कूल ग्वालियर तथा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्त की। लोकसभा के सांसद रहने के साथ श्री सिंधिया वर्ष 1990-1993 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे। तीस सितंबर 2001 को विमान दुर्घटना में श्री माधवराव सिंधिया का निधन हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्री सिंधिया का स्मरण करते हुए ट्वीट किया कि प्रदेश के नव-निर्माण में आपका अतुलनीय योगदान सर्वदा अविस्मरणीय रहेगा।*

तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी, फसलें आड़ी

सिरोंज। मौसम के मिजाज में बदलाव के साथ गुरुवार को अंचल में बादल छाए रहे। इससे पहले बुधवार की देरशाम क्षेत्र में तेज हवाएं चलने के साथ बूंदाबांदी हुई थी। इससे आनंदपुर में फसलें आड़ी हो गईं तो वहीं सिरोंज में भी गेहूं की खड़ी फसलों को नुकसान हुआ। नटेरन और विदिशा में भी तेज हवाएं चलीं। जिससे किसान काफी चिंचित नजर आए। गुरुवार को सुबह से ही किसान अपने खेतों पर पहुंचकर कटी पड़ी फसल को समेटते दिखे। तेज हवा चलने से पकी फसलें खेतों में गिरने की आशंका से किसान चिंतित हैं। मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों द्वारा अपने खेतों में पकी फसल काटने के बाद सुरक्षित रखना शुरू कर दिया है। इस समय क्षेत्र के किसान रबी फसल को लेकर खेत-खलिहानों में व्यस्त हैं। सरसों, चना, धनिया की कटाई का काम चल रहा है। कई जगह पकाव आने के साथ ही गेहूं की कटाई का काम भी किसानों ने शुरू कर दिया है। अधिकांश खेतों में पकी व कटी फसल समेटने के काम में किसान व्यस्त नजर आते हैं। ग्राम समदपुर के किसान बलवीर पटेल ने बताया कि रात्रि में तेज हवाएं चलने से उनकी सरसों की कटी पड़ी फसल खेत में बिखर गई। वहीं दोपहर में अचानक फिर से बादल छाने लगे जिसके चलते आनन-फानन में थ्रेसिंग का कार्य करना पड़ा। आनंदपुर के आसपास के क्षेत्रों में आंधी व तूफान से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। ग्राम आनंदपुर के किसानों का कहना है कि फसल को बहुत नुकसान हुआ है जिससे फसल आड़ी

गिर गई है। उपज में बहुत भारी गिरावट हो सकती है, इस बार फसल बहुत अच्छी थी लेकिन हम आंधी तूफान में भारी बारिश से बहुत नुकसान हुआ है

मजदूरी व फेसिंग कार्य के बड़े रेट -

मौसम में हो रहे इस बदलाव से किसानों के दिलों की धड़कने तेज हो गई हैं। ऐसे में किसान रबी फसलों की कटाई एवं थ्रेशर के लिए मजदूरों की रेट बढ़ने से भी किसान परेशान हैं। मजदूरों द्वारा फसल काटने के लिए 200 रुपये और थ्रेसर पर काम करने के लिए 300 रुपये दैनिक मजदूरी ली जा रही है। इस समय बारिश होती है तो उन किसानों को नुकसान हो सकता है जिनकी फसलें अभी तक कटी नहीं हैं। बारिश के कारण गेहूं की फसल भीग जाती है तो उसकी चमक पर असर होगा है। इसलिए किसान औने-पौने दामों मे मजदूरों को मजदूरी देकर अपनी फसल को सुरक्षित घर में रखने के लिए रात-दिन थ्रेसिंग कार्य में लगे हुए हैं।

अगले माह से शुरू होंगे सात सीएम राइज स्कूल

विदिशा। स्कूली बच्चों को सर्व सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बनाए जा रहे सीएम राइज स्कूलों की अगले माह एक अप्रैल से शुरुआत हो जाएगी। पहले चरण में जिले में ब्लाक मुख्यालयों पर सात स्कूल शुरू होंगे, जिसके लिए प्राचार्यों और शिक्षकों का चयन कर लिया गया है। इन स्कूलों में विद्यार्थियों को हिंदी के अलावा अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मूख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए शिक्षा विभाग पिछले चार माह से तैयारियों में जुटा है। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों इन स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों और प्राचार्यो के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित की थी। जिसके परिणाम आ गए है। जिले में 744 शिक्षकों ने यह पात्रता परीक्षा दी थी, जिसमें दो सौ से अधिक शिक्षक चयनित हुए है। इसके अलावा प्राचार्यो के लिए दीप्ति शुक्ला और आरसी जैन का चयन हुआ है।

पानी की कमी इसलिए नए नल कनेक्शन के लिए आवेदन लेना बंद

विदिशा। गर्मियों से पहले यदि आप नया नल कनेक्शन लेना चाहते हैं तो मुश्किल हो सकती है। नगर पालिका ने फिलहाल नए आवेदन लेना बंद कर दिया है। गर्मियों में पानी कमी को देखते हुए नगर पालिका का पीएचई विभाग अब नए नल कनेक्शन के लिए आवेदन ही नहीं ले रहा है। विभाग के पास 100 से ज्यादा आवेदन पुराने ही पेंडिंग पड़े हैं जिन्हें कनेक्शन देने में एक से डेढ़ माह का समय लग जाएगा। नगर पालिका पीएचई शाखा के उपयंत्री आरपी जायसवाल ने बताया कि नल कनेक्शन के लिए पुराने आवेदन ही पेंडिंग में हैं, इन्हें कनेक्शन देने में डेढ़ माह से ज्यादा का समय लग जाएगा। आवेदकों ने 2600 रुपये देकर रसीदें कटवाई हैं इसलिए उनका कनेक्शन पहलेकराया जा रहा है। गर्मियों के कारण पानी

की भी कमी है शहर के 25 हजार कनेक्शनधारी हैं जिन्हें गर्मियों में पानी सप्लाई करना मुश्किल हो जाता है ऐसे में नए नल कनेक्शन नहीं दे पा रहे हैं। गर्मियों शुरू हो रही हैं इसलिए आवेदन देने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

उपयंत्री जायसवाल ने बताया कि शहर के बीचो बीच ज्यादा समस्या नहीं है। नए आवेदन शहर के अंतिम छोर से आ रहे हैं। शहर के बंटीनगर, आमवाली कालोनी, अहमदपुर रोड, करैयाखेड़ा आदि क्षेत्रों में पानी पहुंचाने की समस्या है। यहां पानी की दो टंकियां हैं। रानी दुर्गावति उद्यान में बनी टंकी से इस क्षेत्र के करीब पांच हजार लोगों को जल सप्लाई होता है। क्षेत्र में केवल दो ही पानी की बड़ी टंकियां हैं जिनसे पूर्ति नहीं हो पानी। गर्मियों में यहां पानी की समस्या ज्यादा होती है, इसलिए यहां से लोग नल कनेक्शन के लिए ज्यादा आ रहे हैं। फिलहाल नए कनेक्श्न के लिए आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। यदि किसी के कनेक्शन में कोई समस्या है तो उसे प्राथमिकता से सुधरवाया जा रहा है।

संपादकीय

यूक्रेन मामले पर सावधानी से कदम आगे बढ़ा रहा है दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी देश चीन

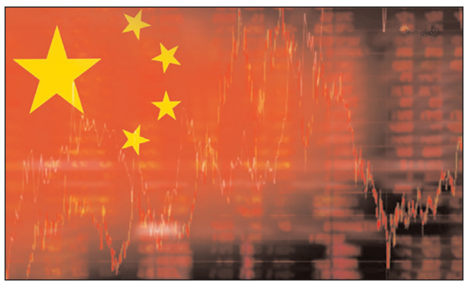

आजकल चीन और रूस का संबंध वैसा कटु नहीं है, जैसे माओ और ख्रुश्चौफ के जमाने में था। आजकल ये दोनों राष्ट्र गलबहियां डाले हुए हैं। चीन की फौज और अर्थव्यवस्था इस समय इतनी बड़ी है कि चीन जब चाहे रूस की सहायता कर सकता है। इस समय सारी दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर लगा हुआ है लेकिन इस संकट के दौरान चीन की चतुराई पर कितने लोगों ने ध्यान दिया है? इस समय पिछले कुछ वर्षों से चीन और अमेरिका के बीच भयंकर अनबन चल रही है। चीन पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका ने चार देशों– भारत, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का चौगुटा (क्वॉड) खड़ा कर लिया है। 'आकुस' का सैन्य संगठन पहले से बना ही हुआ है। चीनी-अमेरिकी व्यापार, ताइवान और दक्षिण चीनी समुद्र के सवाल पर इन दोनों देशों में तनातनी चल रही है। चीन में हुए ओलंपिक खेलों का भी अमेरिका और उसके साथी राष्ट्रों ने बहिष्कार किया है लेकिन इन सब चीन-विरोधी हरकतों के बावजूद यूक्रेन के सवाल पर जब-जब वोट देने का सवाल आया, चीन ने कभी भी अमेरिकी प्रस्ताव के विरुद्ध वोट नहीं दिया। उसने भारत की तरह तटस्थता दिखाई। परिवर्जन (एब्सटेन) किया। क्यों किया? क्या वह अमेरिका से डरता है? नहीं! उसे अमेरिका से कोई डर नहीं है। वे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अमेरिका के मुकाबले सीना तानकर खड़ा हो सकता है। वह अमेरिका के लिए रूस से कई गुना बड़ा खतरा बन सकता है। आजकल चीन और रूस का संबंध वैसा कटु नहीं है, जैसे माओ और ख्रुश्चौफ के जमाने में था। आजकल ये दोनों राष्ट्र गलबहियां डाले हुए हैं। चीन की फौज और अर्थव्यवस्था इस समय इतनी बड़ी है कि चीन जब चाहे रूस की सहायता कर सकता है। चीन और रूस शांघाई सहयोग संगठन के सदस्य भी हैं। इसके बावजूद यूक्रेन के सवाल पर चीन ने कभी रूस के समर्थन में वोट नहीं दिया। जब भी सुरक्षा परिषद, महासभा या मानव अधिकार परिषद में यूक्रेन का मामला उठा तो उसने खुलकर रूस के समर्थन में एक शब्द भी नहीं बोला। इस सावधानी का रहस्य क्या है? वह भारत की तरह तटस्थ क्यों हो गया है? भारत की तो मजबूरी है, क्योंकि रूस और अमेरिका, दोनों के ही भारत से अच्छे संबंध हैं। यों भी भारत अपनी गुट-निरपेक्षता या तटस्थता के लिए जाना जाता रहा है। चीन की तटस्थता का जो रहस्य मुझे समझ में आता है, वह यह है कि वह रूस के इस अतिवादी कदम का समर्थन करके दुनिया में अपनी छवि खराब नहीं करवाना चाहता है।

सत्ता की महाभारत का सातवां द्वार भेदने की तैयारी में महारथी

बीजेपी के तमाम दिग्गज नेताओं के साथ-साथ मोदी और उनकी पूरी टीम ने यहां डेरा डाल रखा है। सातवें चरण के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सातवें चरण में ही अखिलेश के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में भी वोटिंग होना है। अखिलेश के लिए सातवां चरण कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रमुख और संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी 2022 के चुनाव के लिए दूसरी बार मीटिंग करने जा रहे हैं, इससे पहले तीसरे चरण में मुलायम मैनपुरी के करहल विधान सभा क्षेत्र में प्रचार करते नजर आए थे। जहां से अखिलेश स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में सातवें और अंतिम चरण में पूर्वांचल के 09 जिलों की 54 सीटों पर 07 मार्च को मतदान होगा और 10 मार्च को नतीजे आएंगे। सातवें ही चरण में मोदी के सियासी गढ़ वाराणसी और अखिलेश यादव से संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में भी चुनाव होना है, 2014 के लोकसभा चुनाव में जब से मोदी ने यूपी को अपनी कर्म भूमि बनाई है तब से बीजेपी को यहां (यूपी में) अभी तक हार का सामना नहीं करना पड़ा है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव की बात हो या फिर 2017 में हुए विधान सभा चुनाव की मोदी पार्टी के लिए जीत की गारंटी बने हुए हैं, 2022 में भी यदि बीजेपी सत्ता हासिल कर लेती है तो यूपी में मोदी की जीत का चौका लग जाएगा।

बीजेपी के तमाम दिग्गज नेताओं के साथ-साथ मोदी और उनकी पूरी टीम ने यहां डेरा डाल रखा है। सातवें चरण के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सातवें चरण में ही अखिलेश के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में भी वोटिंग होना है। अखिलेश के लिए सातवां चरण कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रमुख और संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी 2022 के चुनाव के लिए दूसरी बार मीटिंग करने जा रहे हैं, इससे पहले तीसरे चरण में मुलायम मैनपुरी के करहल विधान सभा क्षेत्र में प्रचार करते नजर आए थे। जहां से अखिलेश स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं। सातवां चरण कितना अहम है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी यहां प्रचार करने आई और अखिलेश के समर्थन में मोदी को खूब खरी-खोटी सुनाई।

वाराणसी पहुंच कर ममता 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी एजेंडा तय करना चाह रही थीं, ममता बनर्जी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गैर कांग्रेसी-गैर भाजपा के तीसरा मोर्चा खड़ा करना चाहती हैं और स्वयं को भावी पीएम के रूप में पेश करने का सपना पाले हुए है। वहीं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पिंडरा विधानसभा क्षेत्र में जनसभा के जरिए मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश करते नजर आएं। पिंडरा विधानसभा प्रत्याशी अजय राय के समर्थन में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा का यहां आना हुआ है। बसपा सुप्रीमो मायावती की सातवें चरण में प्रचार के लिए निकली। उन्होंने सपा भाजपा कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सातवें चरण का रण पूर्वांचल के उन नौ जिलों में लड़ा जा रहा है, जो खतरनाक और गैंगस्टरों से भरे राज्य की पहचान कराता है। मिर्जापुर, रक्तांचल, रंगबाज और असुर जैसी वेब सीरीज के लिए मसाला यहीं मिलता है।

■ अपना दल (एस) को भाजपा ने पिछले चुनाव से अधिक 17 सीटें दीं तो अखिलेश ने भी उनकी प्रतिस्पर्धा में अपना दल कमेरावादी को छह सीटें चुनाव लडने् के लिए दे दीं।

मुख्तार अंसारी से लेकर धनंजय सिंह और विजय मिश्र जैसे माफिया सरगना काशी की सरजमीं में ही पनपते हैं। यहीं सैकड़ों करोड़ लोगों के अराध्य बाबा विश्वनाथ हैं, तो गौतम बुद्ध की पहली उपदेश स्थली सारनाथ भी यहीं है। खैर, 07 मार्च को जिन 09 जिलों में मतदान होना है उसमें आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, मीर्जापुर, चंदौली और सोनभद्र जिले शामिल हैं। वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी और आजमगढ़ से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद होने के नाते प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं। वहीं गाजीपुर से बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र और जौनपुर से बाहुबली धनंजय सिंह जनतादल यू, भदोही से दबंग विजय मिश्र मैदान में हैं। इन सभी जिलों से निकलने वाले सियासी संदेश को पीएम मोदी से जोड़कर देखा जाएगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है।

सातवें चरण के चुनावों में भाजपा के साथ उसके सहयोगी दलों निषाद पार्टी और अपना दल की भी परीक्षा होनी है। कभी भाजपा की हितैषी रही ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभाषपा इस बार समाजवादी पार्टी के साथ चुनावी मैदान में है। इस चरण में सुभाषपा की भी साख दांव पर लगी है। ओमप्रकाश राजभर इससे इतिफाक नहीं रखते हैं और वह कहते हैं असली परीक्षा तो हम छोटे दलों की पांचवें चरण से ही शुरू हो गई थी। जिसमें संजय चौहान की जनवादी पार्टी और कृष्णा पटेल की अपना दल की सियासी ताकत की जोर आजमाइश भी हुई। सातवें चरण की जिन 54 सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से इस समय छोटे-छोटे दल समझे जाने दलों में अपना दल के पास चार, सुभाषपा के पास तीन और निषाद पार्टी के पास एक सीट है।

बड़े दलों के बीच यह चुनाव कितना चुनौतीपूर्ण है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि उनके द्वारा छोटे दलों को भरपूर तवज्जो दी जा रही है, जो ओम प्रकाश 2002 में पार्टी बनाने के बाद कभी मतदाताओं पर प्रभाव नहीं डाल पाए और 2017 में भाजपा का साथ होने के बावजूद आठ में से चार सीटें ही जीत पाए, उन्हें 2022 में सपा ने गठबंधन में 17 सीटें दी हैं। अपना दल (एस) को भाजपा ने पिछले चुनाव से अधिक 17 सीटें दीं तो अखिलेश ने भी उनकी प्रतिस्पर्धा में अपना दल कमेरावादी को छह सीटें चुनाव लडने् के लिए दे दीं। यह और बात है कि अपना दल कमेरावादी ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है, लेकिन सपा के साथ उसका गठबंधन जारी रहेगा। इसी तरह 2017 के विधानसभा चुनाव में अपने बलबूते सिर्फ एक सीट जीत पाई निषाद पार्टी को इस बार भाजपा ने 16 सीटें दे दी हैं। चूंकि, सपा स्वामी प्रसाद मौर्य को उनकी जाति का बड़ा नेता मान रही है, इसलिए महान दल के केशव देव मौर्य को गठबंधन में कोई सीट नहीं दी गई। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी बीते रविवार 27 फरवरी को वाराणसी पहुंचे थे और इस दौरान उन्होंने वाराणसी जिले की आठ विधानसभा सीटों के बूथ प्रभारियों को चुनाव प्रबंधन और जीत का मंत्र दिया था। इस दौरान उन्होंने काशी और पूर्वांचल के साथ अपना लगाव जाहिर करने के साथ ही सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना भी साधा। अब बाकी के दिनों में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री मोदी की कई जनसभाएं होनी है।

आपरेशन गंगा को लेकर सीनियर सिटीजन का गुस्सा क्या दर्शा रहा है?

यूक्रेन में फंसे 18 हजार छात्रों में लगभग 17,700 भारतीय छात्र अब तक स्वदेश वापिस आ गए। उम्मीद है कि वहां बचे बाकी भारतीय छात्र भी जल्दी ही वापिस आ जाएंगे। भारत ने यूक्रेन में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को वापस लाने के अभियान को आपरेशन गंगा नाम दिया। यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के अभियान की मानीटरिंग स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। उन्होंने इसमें केंद्र के चार मंत्रियों को लगाया गया। यूक्रेन की सीमा से सटे चार देश और 18 हजार के आसपास भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालना देश के सामने एक बड़ी चुनौती थी। इन मंत्रियों को इन चार अलग-अलग देशों में भेजा गया ताकि वह वहां की सरकार से

समन्वय बनाकर सही से आपरेशन को कामयाब कर सकें। इन सबकी मेहनत, मिला-जुला प्रयास रंग लाया। 22 फरवरी, 2022 को अभियान प्रारंभ हुआ। अब तक 17700 के लगभग छात्र यूक्रेन से लाए गए। इस अभियान में वायुसेना को भी लगाया गया। वैसे तो यूक्रेन में कई देशों के नागरिक फंसे हैं लेकिन अपने लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत ने दुनिया का सबसे तेज ऑपरेशन चलाया। अपने नागरिकों और वहां फंसे छात्रों को बाहर निकाला। आपरेशन की कामयाबी यह है कि युद्ध के बीच ये छात्र सुरक्षित देश लौटे। एक छात्र को ही जान गवांनी पड़ी। इस अभियान की खास बात यह रहीं कि युद्धरत रूस और यूक्रेन ने तिरंगा लगी बसों को सुरक्षित रास्ता प्रदान किया। खबर तो यहां तक आई कि भारतीयों की सुरक्षित निकासी के लिए रूसी सेना की तरफ से छह घंटे हमले भी रोक दिए गए थे। इस अभियान की खास बात यह है कि भारत सरकार आपरेशन का पूरा खर्च खुद वहन कर रही है। छात्रों को यूक्रेन से निकाल कर लाने, दूसरे सीमावर्ती देश में उनके रहने और खाने आदि की व्यवस्था करना सरल काम नहीं था, किंतु केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प के कारण यह हो सका। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि यूक्रेन में फंसे एक-एक छात्र को निकाल कर लाया जाएगा। एक छात्र के भी यूक्रेन में रहने तक आपरेशन जारी रहेगा।

वर्तमान रूस-यूक्रेन संकट में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की कुशल रणनीति

आज हर जगह केवल रूस-यूक्रेन संकट की चर्चा है और साथ ही पूरी दुनिया की निगाहें इस संकट पर भारत की भूमिका पर हैं। भारत सरकार ने अभी तक इस प्रकरण पर बहुत ही संतुलित व तटस्थ भूमिका का निर्वाहन किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित जिन मंचों पर रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव या अन्य जितने भी प्रस्ताव पास हुए हैं उन सभी में मतदान के दौरान भारत अनुपस्थित ही रहा है। यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक भारत के रूख से रूस और अमेरिका सहित विश्व के सभी देश खुश हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और विदेश के बड़े नेताओं के साथ उनकही मैत्री का ही परिणाम है कि जंग के खतरनाक दौर में भी रूस के राष्टपति ब्लादिमीर पुतिन जहां उनसे फोन पर बात कर रहे हैं और भरतीय छात्रों की सकुशल वापसी के लिए सुरक्षित मार्ग दे रहे हैं वहीं दूसरी ओर यूक्रेन भी भारत की ओर देख रहा है और नरेंद्र मोदी से मदद की अपील कर रहा है ताकि युद्ध को रोका जा सके, यूक्रेन के पड़ोसी देश भारतीय छात्रों की वापसी में सहयोग कर रहे हैं। आज भारत ने जो तटस्थ नीति अपनायी है जहां उसकी जहाँ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है वहीं मोदी विरोधी मीडिया इस बात पर भी अपना नकारात्मक प्रवचन चला रहा हैं। पश्चिमी जगत के मीडिया की नकल करने वाला मीडिया का एक वर्ग यह भी कह रहा है कि भारत को इस युद्ध में रूस के निंदा प्रस्ताव में रूसी कार्यवाही के विरोध में अपना मत देना चाहिए था, आखिर क्यों?

पूर्व विधायक ने आदिवासी कन्याओं का पूजन व महिलाओं का सम्मान किया

बेगमगंज। अंतरराष्ट्रीय महिला दिबस पर पूर्ब बिधायक ब जिला कांग्रेस अध्यक्ष देबेन्द्र पटेल ने तहसील के आदिबासी अंचल ग्राम रमपुरा में पहुंचे। उन्होंने कन्याओं का पूजन ब महिलाओं का सम्मान किया। पटेल ने कहा कि आज हमारी बेटियां देश के बिकास में महत्पूर्ण भूमिका निभा रही हैं।बिज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, एसपी या राजनीति के क्षेत्र में बह सभी उच्च पदों पर पहुंचकर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। किसी भी क्षेत्र में महिलाएं पीछे नहीं है। उन्होंने आदिबासी समाज

के लोगों से अपील की कि बह अपनी बच्चियों को शिक्षा अबश्य दिलाएं और उनका बिबाह तभी करें जब बह पूर्ण रूप से शिक्षित हो जाएं। तभी हमारा महिला दिबस मनाने का उद्देश्य पूंर्ण होगा जब हमारी बेटिया आगे बढ़ेंगी। आदिबासी मेधाबी बच्चियों को पुरस्कृत करते हुए महिलाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में पूर्ब सरपंच लाखन सिंह ठाकुर, बिष्णु ठाकुर, उदल सिंह ठाकुर, गोबर्धन ठाकुर, बारेलाल ठाकुर, चंद्रेश ठाकुर, ऋषि राज ठाकुर, निर्भय सिंह ठाकुर, गंधर्ब सिंह, अमोल सिंह ठाकुर, करण सिंह, माधब सिंह ठाकुर, कल्लो बाई ठाकुर, सीमा बास्कले बड़बानी सहित बीरेंद्र पांडे, प्रकाश पटेल, पबन दुबे आदि सहित समस्त ग्रामीबासी मौजूद रहे।

किसानों ने दिखाया दम, फसलों के रिकार्ड पैदावार की उम्मीद

युवा प्रदेश नेटवर्क

रायसेन। कोरोना संक्रमण काल में भी किसानों ने खेतों में पसीना बहाकर फसलों को संवारा है। जिसके परिणाम स्वरूप इस बार गेहू के रिकार्ड पैदावार का अनुमान है। फसल खेतों में लहलहा रही है। कृषि विभाग व विज्ञानियों ने फसल की बढ़ोतरी को देखते हुए अनुमान लगाया है कि इस बार रिकार्ड पैदावार होगी। जिले में दो लाख 50 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बोवनी हुई है। प्रत्येक हेक्टेयर में 50 क्विंटल से अधिक पैदावार होने का अनुमान है। मौसम की अनुकूलता सिर्फ रायसेन जिले में ही नहीं देश भर में भी फसलों की पैदावार के लिए बेहतर मानी गई है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस बार गेहूं की रिकार्ड पैदावार होने की उम्मीद है। गेहूं की पैदावार 11.13 करोड़ टन होने का अनुमान है। चना 1.31 करोड़ टन, तुअर 4 करोड़ टन, दलहन 2.69 करोड़ टन, मक्का 3.24 करोड़ टन व चावल 12.79 करोड़ टन पैदावार की उम्मीद है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के सांची आगमन पर किया स्वागत

सांची। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बुधवार को अल्प समय के लिए सांची पहुंचने पर नगर भाजपा नेता कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। नगर में पर्यटन विकास निगम के गेटवे रिट्रीट में बिरला के आते ही नगर के भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं गुलदस्ता, पुष्प गुच्छ व फूल मालाएं लेकर स्वागत करने पहुंच गए। बिरला सांची बौद्ध स्तूप भ्रमण करने आए थे। पूर्व पार्षद रतनलाल जायसवाल ने नगर की ऐतिहासिकता की पुस्तक उन्हें भेंट की। कार्यकर्ताओं ने भारत माता के जयकारे लगाए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा, पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष कमल किशोर पटेल, पूर्व नप अध्यक्ष बलराम मालवीय, वरिष्ठ नेता जवाहर सिंह चौहान, रघुवीर सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होली का जुलूस निकालेंगे व बुंदेलखंडी लोकगीत संध्या आयोजित होगी

सुल्तानपुर। श्रीहिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में श्री राम जानकी मंदिर में होली उत्सव एवं रंग पंचमी पर्व मनाने को लेकर बैठक हुई। अध्यक्ष कमोद सिंह मीणा व उपस्थित लोगों ने अपने- अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान हर वर्ष की भांति होली के जुलूस का संचालन श्री राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ श्री राम जानकी मंदिर पहुंचेगा जहां जुलूस का सभी उपस्थित लोगों के बीच समापन होगा। होली उत्सव के जुलूस का संचालन सुबह 10:30 पर श्री राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होगा। होली उत्सव के उपलक्ष?य में 20 मार्च को रात 8 बजे से बस स्टैंड चौराहा पर बुंदेलखंडी लोकगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध लोकगीत गायक जय सिंह राजा पार्टी द्वारा लोकगीत भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

राष्ट्रीय स्तर की कार रैली में तृतीय स्थान हासिल किया

रायसेन। इंदौर में राष्ट्रीय स्तर की पांचवीं मालवा स्प्रिंट 2022 रैली में हिस्सा लेकर नगर के राइडर आदिल खान ने तृतीय स्थान हासिल किया है। उन्होंने देशभर से आए प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए भारतीय मोटर्स स्पोर्ट फेडरेशन द्वारा प्रमाणित रैंगलर डीजल केटेगिरी में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उक्त रैली मालवा मोटर्स स्पोर्टस क्लब द्वारा आयोजित की गई थी। आदिल ने बताया कि रैली में भोपाल, इंदौर, नागपुर, गोवा, मुंबई सहित देश के विभिन्ना राज्यों से करीब 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। विगत दो वर्षों से कोरोना की वजह से इसका आयोजन नहीं हो सका था।

सिलवानी तक सीधा मार्ग बनने से 20 किमी की दूरी कम होगी

बेगमगंज। बेगमगंज व सिलवानी के बीच सीधा नया मार्ग बनने से 20 किमी की दूरी कम हो जाएगी। दोनों नगरों के बीच दूरी 55 किमी से घटकर लगभग 35 किमी रह जाएगी। इस मार्ग के आसपास के बेगमगंज, गैरतगंज, सिलवानी तहसील के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र भी इन दोनों नगरों से सीधे जुड़ जाएंगे। साथ ही क्षेत्र की पवित्र नर्मदा नदी एवं उससे लगे आसपास के दूसरे नगरों से भी बेगमगंज की दूरी 20 किलोमीटर कम हो जाएगी। जिससे क्षेत्रवासियों का सालाना करोड़ों रुपये का ईधन इस मार्ग का उपयोग करके बचेगा। वहीं दोनों नगरों के बीच व्यापारिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी।

शिक्षित बेरोजगारों व महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे

रायसेन, बेगमगंज। मप्र के बजट को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया है। लोगों को वैट टैक्स कम करने की उम्मीद थी, लेकिन बढ़ोतरी नहीं होने से राहत है। कोरोना संक्रमण काल में सभी तरह के उत्पादन पर प्रभाव पड़ने के बावजूद आर्थिक बोझ किसी भी वर्ग पर नहीं लादा गया है। बेरोजगारों को रोजगाव के अवसर प्रदान करने के लिए बजट में विशेष प्राविधान किए गए हैं। आगामी समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वरोजगार योजनाओं से जोड़कर रोजगार दिया जाएगा। मप्र सरकार ने कोरोना काल में आर्थिक संकट होने के बावजूद कोई नए टैक्स नहीं लगाए और न ही पूर्व के टैक्स में बढ़ोतरी की है। यह बजट सभी वर्गों को राहत देने वाला है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय सोच को ध्यान में रखते हुए गरीबों, बेरोजगारों, महिलाओं व समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को मुख्य धारा में लाने के लिए बजट में प्राविधान किए गए हैं।

तनु वेड्स मनु 3: तो अब चिंटू जी साथ इश्क लड़ाएंगी तनु, इस बार ऐसी होगी कहानी

कंगना रणौत की तनु वेड्स मनु और रिटर्न्स दोनों फिल्में ब्लॉकबस्टर थीं। इन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिला था। जिन लोगों ने ये फिल्में देखी हैं उन्हें इसके तीसरे पार्ट का जरुर इंतजार होगा। ऐसे में कंगना के फैंस के लिए एक गुडन्यूज है। खबर आ रही है कि इस फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट भी आने वाला है। दर्शकों के मन में ये सवाल होगा कि तीसरे पार्ट में क्या खास होने वाला है। इस फिल्म में वही अभिनेता होंगे या फिर उनमें बदवाल होगा। रिपोर्टस के अनुसार फिल्म के तीसरे पार्ट में कहानी जीशान अयूब और कंगना के किरदार के आसपास बुनी जाएगी। अभिनेता जीशान अयूब ने इस बात का खुलासा किया कि फिल्म के राइटर हिमांशु शर्मा इसपर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी कुछ तय नहीं है, लेकिन कहानी उनको और कंगना को सेंटर में रखकर लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी इस पर बातचीत जारी है। दरअसल कंगना की तनु वेड्स मनु 2011 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कंगना के साथ आर माधवन, जिमी शेरगिल, स्वरा भास्कर और दीपक डोबरियाल थे। दूसरे पार्ट की बात करें तो तनु वेड्स मनु रिटर्न्स 2016 में रिलीज हुई थी। इसमें पुरानी स्टारकास्ट के अलावा जीशान भी थे। इस फिल्म में जबरदस्त एक्टिंग के लिए कंगना को अवार्ड भी मिला था। कंगना अक्सर लेटेस्ट मुद्दों पर अपने विचार बड़े बोल्ड तरीके से रखती हैं। इस वजह से इंडस्ट्री में उनका कई बार पंगा भी हो चुका है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना इस समय एक रियलिटी शो लॉकअप होस्ट कर रही हैं। उनका ये शो इस समय बहुत चर्चा में है। इसके अलावा उनके पास कई बड़े बजट की भी फिल्में हैं। कंगना धाकड़, तेजस और सीता जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

नाना अमिताभ बच्चन की तरह नहीं बनेंगी नव्या पिता के साथ करना चाहती हैं ये काम

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नंदा के हमेशा से बॉलीवुड में शामिल होने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन कुछ साल पहले उन्होंने सभी को गलत साबित कर दिया। नव्या ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनका लक्ष्य अपने पिता निखिल नंदा के साथ बिजनेस में जुड़ना है। अब एक नए इंटरव्यू में नव्या ने कहा है कि पहले कभी भी उनका अभिनेता बनने का इरादा नहीं था। दरअसल नव्या अमिताभ और जया बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन की बेटी हैं। नव्या के भाई अगस्त्य नंदा भी कथित तौर पर फिल्म उद्योग में शामिल होने के लिए तैयार हैं। इसीलिए नव्या से भी यही उम्मीद की जा रही थी। नव्या ने अपनी मां के साथ एक इंटरव्यू में कहा- मुझे डांस और इस तरह की चीजें करना पसंद है, लेकिन मैंने इसे कभी भी करियर के रुप में नहीं देखा। मेरा झुकाव हमेशा बिजनेस की ओर ज्यादा था। नव्या ने बताया मेरी दादी और आंटी दोनों कामकाजी महिलाएं थीं। वह दोनों किसी न किसी रूप में पारिवारिक बिजनेस में भी शामिल थीं। नव्या ने कहा उन्होंने मुझे हमेशा उत्साहित किया है। नव्या ने आगे कहा कि वह अपने परिवार की चौथी पीढ़ी और पहली महिलाा होंगी जो इस तरफ आगे बढ़ेंगी। नव्या ने कहा कि मैं वास्तव में अपनी इस विरासत को आगे ले जाना चाहती हूं। उन्होंने कहा मैं अपने पिता और उनके हर काम का सपोर्ट करती हूं। नव्या ने कहा परिवार की महिला होने के नाते मेरे लिए अपनी विरासत को आगे बढ़ाना गर्व की बात है। नव्या की मां श्वेता ने उन्हें उस समय की याद दिलाई जब नव्या ने एक्टिंग में इंटरेस्ट दिखाया था। श्वेता ने कहा मैं हमेशा अपने दोनों बच्चों के लिए चिंतित रहूंगी। उन्होंने कहा मेरे परिवार में ज्यादातर लोग एक्टिंग के ही क्षेत्र में हैं। श्वेता ने कहा मेरे पिता इस बार 80 साल के हो जाएंगे और वह अच्छा और सुखी जीवन जीने के लिए आज भी उतनी ही मेहनत करते हैं। इस उम्र में ये आसान काम नहीं है। इस समय नव्या महिलाओं की हेल्थ के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। उनके प्रोजेक्ट का नाम है आरा हेल्थ एंड प्रोजेक्ट नवेली। नव्या की मां श्वेता एक लेखक हैं और पिता निखिल नंदा एस्कॉर्ट्स ग्रुप के प्रमुख हैं।

महिला किरदारों को लेकर ओटीटी ने मारी बाजी

ओटीटी के आ जाने के बाद एक्टर्स के लिए नए रास्ते खुल गए हैं। दर्शकों के ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से शिफ्ट होने की वजह से वेब सीरीज और फिल्मों के निर्माण में भी तेजी आई है। कई ऐसे कलाकारों को ओटीटी की वजह से शोहरत मिली, जिनको अच्छे काम के बावजूद इंडस्ट्री में एक रोल के लिए तरसना पड़ता था। इसी ओटीटी ने महिलाओं के किरदारों को भी एक नई दिशा दी है। सिनेमाघरों में जहां आज भी महिला कैरेक्टर को ग्लैमराइज करने पर ध्यान दिया जाता है। वहीं ओटीटी का गणित कुछ अलग है। ऑरमैक्स मीडिया ने हाल ही में एक सर्वे किया है, जिसमें सिनेमाघरों और ओटीटी पर दिखाए जाने वाले महिला किरदारों के बीच फर्क को बताया गया है। यह सर्वे थियेटर और ओटीटी में रिलीज होने वाली फिल्मों में दिखाए गए महिला किरदारों को ध्यान में रखकर किया गया। जिसमें पाया गया कि पिछले पांच सालों में खासकर ओटीटी के आने के बाद से महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले रोल्स में काफी बदलाव आया है।

रणवीर सिंह की जिस अतरंगी ड्रेस को नेटिजेंस ने बताया किचन का कपड़ा, उसकी कीमत होश उड़ाने के लिए काफी है

बॉलीवुड

एक्टर रणवीर सिंह सिर्फ एक्टिंग के लिए ही नहीं बल्कि अपने अतरंगी फैशन के लिए भी जाने जाते हैं। कपड़ों से लेकर उनकी बाकी एसेसरीज लगभग सभी अतरंगी ही होती हैं। ये चीजें उनके फैंस के लिए आकर्षण का केन्द्र भी होती हैं। कई बार नेटिजेंस उन्हें ट्रोल भी कर चुके हैं। हालांकि रणवीर के नए फैशन ने हिंदी सिनेमा के फैशन को एक नया नजरिया दिया है, क्योंकि ज्यादातर ऐसा फैशन हॉलीवुड में ही देखने को मिलता है। मगर रणवीर ने इसे बॉलीवुड में भी जगह दी है। कई लोगों का ये भी मानना है कि रणवीर पब्लिसिटी के लिए ऐसा करते हैं। हाल ही में रणवीर को फिर से अतरंगी कपड़ों में देखा गया है, जिसके बाद फैस तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। आज रणवीर सिंह कुछ ऐसा पहनकर लोगों के सामने आए जिसे देखकर हर कोई हैरान था।

दरअसल रणवीर गुच्ची प्रेमी हैं और उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का गुच्ची सेट पहना था। सिल्क के शर्ट और शॉर्ट्स में वह एकदम अलग ही दिखाई दे रहे थे। रणवीर की ये ड्रेस भले ही अतरंगी हो लेकिन इसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। साधारण दिखने वाली इस ड्रेस की कीमत 2 लाख रुपये है। रणवीर के फैंस को उनका ये स्टाइल पसंद आ रहा है, वहीं दूसरे यूजर्स उन्हें ट्रोल करने में जुटे हैं। एक यूजर ने लिखा- ये तो हमारे किचन का कपड़ा है। वहीं दूसरे ने लिखा- कल मेरे घर से पर्दे चोरी हो गए हैं...उनकी डिजाइन भी ऐसी ही है। एक अन्य यूजर ने तो रणवीर के कपड़ों की तुलना उर्फी जावेद से कर दी। उसने लिखा- लड़कों में एक ये रणवीर और लड़कियों में उर्फी जावेद...दोनों के फैशन सेंस तो भगवान ही जानें। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह के पास इस साल कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं। इस साल उनकी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्कस और अन्नियन का रीमेक जैसी बड़े बजट की फिल्म रिलीज होने वाली हैं।

प्रेग्नेंट हैं बिपाशा बसु? फैंस बोले- ओवरसाइज्ड ड्रेस में छिपा रहीं बेबी बंप

करण सिंह ग्रोवर और बिपासा बसु काफी समय से मीडिया से दूर हैं, लेकिन वह आए दिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में ये खबर भी आई थी कि बिपाशा जल्द ही फिल्मों में वापसी करने वाली हैं। जब से दोनों की शादी हुई है तब से फैंस उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाते रहते हैं, लेकिन वह हमेशा इसे नकारती आई हैं। हाल ही में बिपाशा की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसे देखकर फैंस अंदाजा लगा रहा हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं। ये बात कितनी अफवाह और कितनी सच आइए जानते हैं। हाल ही में बिपाशा बासु को मुंबई में उनके पति करण सिंह ग्रोवर के साथ देखा गया है। वह दोनों फैमिली डिनर के लिए जा रहे थे। इस दौरान बिपाशा ने नीले रंग की ढीली-ढाली ड्रेस पहनी हुई थी। वह इस ओवरसाइज्ड ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रहीं थीं और पति के साथ पोज दे रही थीं। इस तस्वीर को देखने के बाद फैन कयास लगा रहे हैं कि वह प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने बेबी बंप छुपाने के लिए ऐसी ड्रेस पहनी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पोस्ट को देखकर यूजर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये पक्का प्रेग्नेंट है। दूसरे ने लिखा, ग्लोइंग मम्मी ओवरसाइज ड्रेस में। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, बिपाशा मैम प्रेग्नेंट हैं, क्योंकि वह कुछ महीने से ऐसे ही लूज कपड़े पहन रही हैं, ताकि टमी न दिखे। हालांकि ये पहली बार नहीं है जब बिपाशा की प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाह उड़ी हो। इससे पहले भी रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में उनके लुक को देखकर यही कयास लगाए जा रहे थे। काफी

समय से ये जोड़ा किसी भी फिल्म में नहीं दिखाई दिया है। दोनों ने 2016 में शादी की थी और अब इनकी शादी को 6 साल होने वाले हैं। बिपाशा करण से 6 साल बड़ी हैं। लाइमलाइट से दूर दोनों अपनी पर्सनल लाइफ को एंज्वाय कर रहे हैं।

अक्षय कुमार ने कपिल शर्मा को क्यों बताया बेवफा, मजेदार वीडियो देख नहीं रुकेगी हंसी

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बच्चन पांडे को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस समय अक्षय और कृति दोनों ही फिल्म को जोरो-शोरों से प्रमोट कर रहे हैं। इसी क्रम में वह बच्चन पांडे का प्रमोशन करने कपिल शर्मा शो पर भी पहुंचे। जिसके बाद अक्षय और कपिल ने जमकर मस्ती की। भले ही हर एपिसोड में कपिल अपनी हाजिर जवाबी से सबका मुंह बंद कर देते हों लेकिन जब अक्षय शो में आते हैं तो वह हमेशा कपिल पर भारी पड़ते हैं और इस बार भी यही हुआ। अक्षय कुमार ने कपिल शर्मा शो के सेट से एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। बॉलीवुड के खिलाड़ी इस समय सोशल मीडिया और मीडिया दोनों के जरिए बच्चन पांडे का प्रमोशन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में वह कपिल शर्मा शो में भी शिरकत करते नजर आने वाले हैं, हालांकि उन्होंने शो की एक छोटी क्लिप को भी अपने इंस्टाग्राम से शेयर किया है। जिसमें वह %बच्चन पांडे% के नए गाने सारे बोलो बेवफा का प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह अक्षय कुमार कहते हैं %%बेवफा यानी धोखेबाज सबकी लाइफ में होता है, अभी मेरी लाइफ में है, कपिल शर्मा और आपकी? सारे बोलो बेवफा पर रील बनाइए जोर से बोलो बेवफा!

चुनावी नतीजों के दिन बाजार में तेजी

सेंसेक्स 1350 पॉइंट्स उछाल के साथ 56000 पर

मुंबई। शेयर बाजार में आज हफ्ते के चौथे दिन भारी तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) का सेंसेक्स 1,300 पॉइंट्स बढ़कर 56 हजार पर कारोबार कर रहा है। इसके सभी 30 शेयर्स बढ़त में हैं। बैंकिंग शेयर्स जबरदस्त धमाल मचा रहे हैं।

1,595 ऊपर खुला था सेंसेक्स

आज सुबह सेंसेक्स 1,595 पॉइंट्स ऊपर 56,242 पर खुला था। पहले घंटे में यही इसका ऊपरी और 55,564 का निचला स्तर था। इसके 30 शेयर्स में से बढ़ने वाले प्रमुख एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एक्सिस बैंक हैं। यह तीनों 4-4त्न से ज्यादा तेजी में हैं। एशियन पेंट्स बुधवार को 6त्न बढ़कर बंद हुआ था। इनके अलावा SBI, ICICI बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, मारुति और HDFC के शेयर्स में 3-3त्न की तेजी है। जबकि अल्ट्राटेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, HDFC बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, कोटक बैंक 2 से 3त्न तक की बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। एयरटेल, NTPC, पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, सनफार्मा के स्टॉक में 1 से 2त्न की तेजी है।

नेस्ले, डॉ. रेड्डी भी बढ़त में

इसी तरह से नेस्ले, डॉ. रेड्डी, ञ्जष्टस्, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और ढ्ढञ्जष्ट के साथ ॥ष्टरु टेक भी बढ़त में हैं। लिस्टेड कंपनियों में से 2,283 के शेयर्स बढ़त में और 208 गिरावट में हैं। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 252.93 लाख करोड़ रुपए है जो कल 248.53 लाख करोड़ रुपए था।

283 शेयर्स अपर सर्किट में

283 शेयर्स अपर और 45 लोअर सर्किट में हैं। इसका मतलब एक दिन में इनकी कीमतों में एक तय सीमा से ज्यादा का उतार-चढ़ाव नहीं हो सकता है। 41 शेयर्स एक साल के ऊपरी और 3 निचले स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 370 अंकों की तेजी के साथ 16,725 पर कारोबार कर रहा है। यह 16,757 पर खुला था और 16,593 का निचला तथा 16,757 का ऊपरी स्तर बनाया।

46 स्टॉक बढ़त में हैं

इसके 50 में से 46 स्टॉक बढ़त में और केवल 4 गिरावट में हैं। इसके चारों प्रमुख इंडेक्स निफ्टी नेक्स्ट 50, मिडकैप, बैंकिंग और फाइनेंशियल 1-1त्न से ज्यादा ऊपर हैं। निफ्टी में गिरने वाले प्रमुख स्टॉक में ह्रहृत्रष्ट, कोल इंडिया, हिंडालको और टाटा स्टील हैं। बढ़ने वालों में टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, ग्रासिम, स्क्चढ्ढ और इंडसइंड बैंक हैं। इससे पहले कल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) का सेंसेक्स 1,223 पॉइंट्स (2.29त्न) ऊपर 54,647 जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 332 अंक (2.07त्न) बढ़कर 16,345 पर बंद हुआ था।

रिलायंस ने फ्यूचर के 835 स्टोर्स की लीज खत्म की

■ बिग बाजार और फैशन बाजार हैं शामिल, रेवेन्यू में इनका योगदान 55%

मुंबई। किशोर बियानी के फ्यूचर रिटेल ने कहा कि उसे 835 स्टोर्स बंद करने का नोटिस रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से मिला है। इसमें से 342 लार्ज फॉर्मेट और 493 स्मॉल-फॉर्मेट हैं।

शेयर बाजार को दी जानकारी: फ्यूचर ग्रुप की लिस्टेड कंपनी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (स्नक्रु) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि उसे मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ग्रुप से सब-लीज प्रॉपर्टीज की लीज समाप्ति का नोटिस मिला है। इसके बड़े फॉर्मेट वाले स्टोर में बिग बाजार और फैशन ड्ड बिग बाजार (स्नड्ढक्च) शामिल हैं। छोटे फॉर्मेट वाले स्टोर में ईज़ी डे और हेरिटेज स्टोर शामिल हैं।

342 बड़े फार्मेट के लिए मिला नोटिस: स्नक्रु ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि अब तक कंपनी के 342 बड़े फॉर्मेट स्टोर जैसे बिग बाजार, ड्ड बिग बाजार (स्नड्ढक्च) और 493 छोटे फॉर्मेट स्टोर (जैसे ईज़ी डे और हेरिटेज स्टोर) के लिए नोटिस मिला है। फाइलिंग में आगे कहा गया है कि ये स्टोर ऐतिहासिक रूप से कंपनी के रिटेल रिवेन्यू ऑपरेशंस के लगभग 55त्न से 65त्न का योगदान दे रहे हैं।

स्टोर स्टॉक के लिए परिचालन नहीं कर रहे हैं: कंपनी ने कहा कि अब ये स्टोर स्टॉक के लिए परिचालन नहीं कर रहे हैं। इस बीच, फ्यूचर ग्रुप की एक अन्य लिस्टेड कंपनी फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन्स (एफएलएफ) ने भी एक फाइलिंग में कहा कि उसे रिलायंस से 112 स्टोर्स के संबंध में समाप्ति नोटिस मिला है।

सेंट्रल के 34 आउटलेट शामिल: इसमें सेंट्रल के 34 आउटलेट और कंपनी के 78 ब्रांड फैक्टरी स्टोर शामिल हैं। कंपनी ने आगे कहा कि ये सभी रिटेल रेवेन्यू ऑपरेशन में 55 से 65त्न तक का योगदान दे रहे हैं। अभी तक, ये स्टोर स्टॉक और इन्वेंट्री में समानता लाने के लिए चालू नहीं हैं। इन दोनों फाइलिंग में यह भी बताया गया है कि कंपनी रिलायंस समूह के साथ यथास्थिति बनाए रखने और विभिन्न शेयर होल्डर्स के हितों की रक्षा के लिए चर्चा कर रही है।

कोर्ट के बाहर सेटलमेंट होगा विवाद: इससे पहले, पिछले हफ्ते ही अमेजन और फ्यूचर रिटेल कोर्ट के बाहर सेटलमेंट करने के लिए तैयार हुए थे। यह विवाद फ्यूचर रिटेल में रिलायंस को बेची गई हिस्सेदारी को लेकर है। पिछले गुरुवार को सुप्रीमकोर्ट ने दोनों पक्षों को 12 दिन का समय दिया था।

रेडमी नोट 11 प्रो सीरीज लॉन्च

गेमिंग का शानदार एक्सपीरिएंस मिलेगा, 108MP कैमरा से लैस होंगे; कीमत 17999 रुपए से शुरू

नई दिल्ली। शाओमी ने भारत में अपने दो नए स्मार्टफोन रेडमी नोट 11 प्रो और रेडमी नोट प्रो प्लस 5त्र लॉन्च कर दिए हैं। कंपनी के इन स्मार्टफोन्स में 108 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग दी गई है। कंपनी का दावा है कि रेडमी नोट 11 प्रो+ 5त्र की बैटरी 15 मिनट की चार्जिंग में पूरे दिन तक चल जाती है।

रेडमी नोट 11 प्रो की कीमत 17999 रुपए से शुरू

रेडमी नोट 11 प्रो 6त्नक्च+128त्नक्च की शुरुआती कीमत 17,999 रुपए है और 8त्नक्च+128त्नक्च वैरिएंट की कीमत 19,999 रुपए है। वहीं 8त्नक्च+256त्नक्च की कीमत 20,999 रुपए है। रेडमी नोट 11 प्रो की सेल 23 मार्च दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। नोट 11 प्रो+ 5त्र को आप 15 मार्च दोपहर 12 बजे से खरीद सकेंगे। इन स्मार्टफोन को कंपनी अमेजन इंडिया के साथ द्वद्ब.ष्शद्व और रूद्ब होम स्टोर्स पर लाने वाली है।

रेडमी नोट 11 प्रो प्लस की कीमत 20,999 रुपए से शुरू

भारत में रेडमी नोट 11 प्रो+ 5त्र के 6त्नक्च + 128त्नक्च स्टोरेज मॉडल की कीमत 20,999 रुपए से शुरू होती है। जबकि 8त्नक्च + 128त्नक्च स्टोरेज वैरिएंट की कीमत 22,999 रुपए है। वहीं 8त्नक्च + 256त्नक्च स्टोरेज की कीमत 24,999 रुपए है। इसे मिराज ब्लू, फैंटम व्हाइट और स्टील्थ ब्लैक कलर ऑप्शन खरीद सकते हैं। स्मार्टफोन पर ॥ष्ठस्नष्ट बैंक कार्ड और श्वरूढ्ढ ट्रांजैक्शन पर 1,000 की छूट दी जा रही है। इसकी बिक्री मार्च को दोपहर 12 बजे से अमेजन, रूद्ब.ष्शद्व और रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी।

रेडमी नोट 11 प्रो के फीचर और स्पेसिफिकेशंस

फोन में कंपनी 6.67 इंच का सुपर एमोलेड डिस्प्ले दे रही है। यह डिस्प्ले 120॥5 के रिफ्रेश रेट और 1200 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। डिस्प्ले प्रोटेक्शन के लिए कंपनी इसमें गोरिल्ला ग्लास 5 प्रोटेक्शन भी दे रही है। 8त्नक्चतक की रैम के साथ आने वाले इस फोन में मीडियाटेक हीलियो त्र96 प्रोसेसर लगा है।

रेडमी नोट 11 प्रो

फोन में कंपनी 3त्नक्च डाइनैमिक रैम फीचर भी दे रही है। फोन के रियर में आपको रुश्वष्ठ फ्लैश के साथ चार कैमरे मिलेंगे। इनमें 108 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ एक 8 मेगापिक्सल और दो 2 मेगापिक्सल के कैमरे दिए गए हैं। फोन में 5000mAh की बैटरी लगी है, जो 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

रेडमी नोट 11 प्रो+ 5त्र के फीचर और स्पेसिफिकेशंस

फोन में कंपनी 120॥5 के रिफ्रेश रेट के साथ 6.67 इंच का फुल ॥ष्ठ+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले दे रही है। यह डिस्प्ले 1200 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 360॥5 के टच सैंप्लिंग रेट के साथ आता है। 8त्नक्च तक की रैम और 256त्नक्च तक के इंटरनल स्टोरेज वाले इस फोन में स्नैपड्रैगन 695 चिपसेट दिया गया है। फोन 3त्नक्च तक की डायनामिक रैम को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में रुश्वष्ठ फ्लैश के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 108 मेगापिक्सल के प्राइमरी लेंस के साथ एक 8 मेगापिक्सल और एक 2 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा लगा है।

रेडमी नोट 11 प्रो+ 5त्र

फोन को पावर देने के लिए इसमें 5000mAh की बैटरी दी गई है। यह बैटरी 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कंपनी का दावा है कि यह 15 मिनट की चार्जिंग में पूरे दिन तक चल जाती है। Os की जहां तक बात है, तो यह फोन MIUI 13 आउट-ऑफ-द-बॉक्स पर काम करता है।

लड़ाई का असर शादी पर: सोने के दाम बढ़े तो शादियाँ कैंसिल होने लगीं, 15 दिन में 7% से ज्यादा महंगा हुआ

मुंबई। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का फिलहाल कोई अंत न होता देख भारत के गोल्ड मार्केट पर असर दिखने लगा है। अब यहाँ सोना 53,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। देखा जा रहा है कि अक्सर लोग जौहरियों को दिए गए अपने ऑर्डर्स रद्द करने लगे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि लोग अप्रैल और मई की शादी के लिए अपनी योजना को टाल रहे हैं। बड़े-बड़े ट्रेड बॉडीज का कहना है कि छोटे बजट वाली शादियों को टाला जा रहा है, क्योंकि वे सोने की कीमतों में कमी होने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा ट्रेंड दक्षिण भारत में अधिक दिखाई देता है, जहां सोने का लेन-देन किसी भी शादी में काफी प्रचलित होता है।

यूक्रेन-रूस जंग से बढ़ रही महंगाई: गेहूं से लेकर खाने का तेल तक हो रहा महंगा, 25 रुपए तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। 24 फरवरी को शुरू हुई यूक्रेन-रूस जंग 14 दिन से जारी है और इसके चलते आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। इस जंग के कारण इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के दाम 140 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गए हैं। जो 14 साल का हाई लेवल है। कच्चा तेल महंगा होने से आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ना तय माना जा रहा है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे कमजोर हालत में पहुंच गया है। अभी 1 डॉलर की कीमत 77 रुपए के पार निकल

गई है। ऐसे में इससे भी महंगाई बढ़ने लगी है। इसके अलावा नेचुरल गैस महंगी होने से आने वाले दिनों में स्ष्टहृत्र-श्चहृत्र के दाम भी बढ़ सकते हैं। वहीं अब मेटल की कीमत में भी तेजी देखी जा रही है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि इसका आपकी जेब पर क्या असर होगा। सबसे पहले जानते हैं कच्चा तेल महंगा होने का आप पर क्या असर होगा।

14 साल के हाई पर पहुंचा कच्चा तेल

रूस ऑयल और नेचुरल गैस का एक मेजर प्रोड्यूसर है। यूरोपियन यूनियन के नेचुरल गैस इंपोर्ट की लगभग 40त्न सप्लाई रूस करता है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से पेट्रोल-डीजल महंगे हो जाएंगे। इससे ट्रांसपोर्ट कॉस्ट में बढ़ोतरी होगी और इससे खाने-पीने के सामान महंगे हो जाएंगे। कच्चे तेल के दाम 140 डॉलर रुपए प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं जो 14 साल का हाई लेवल है। 24 फरवरी को जब युद्ध शुरू हुआ था तक कच्चा तेल 100 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो अब 140 तक पहुंच चुका है। यानी 13 दिनों में ही कच्चा तेल 40त्न महंगा हो गया है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)